Rohtas mahila college. Sasaram. 26.07.22
Dr. Aman murmu, Dept of psychology, B.A. part I H.Pr.I
2021-24

(Topic – दीर्घकालीन स्मृति की विशेषताएं :- दीर्घकालीन स्मरण की कुछ विशेषताएं हैं, जिनके आधार पर इसे पहचाना जा सकता है तथा अल्पकालीन स्मरण से अलग किया जा सकता है।

(i) दीर्घकालीन स्मरण की एक मुख्य विशेषता यह है कि इसका सत्ताकाल अधिक होता है। इसकी सामग्री घंटों, दिनों या वर्षों रह सकती है। कुछ सामग्री या सूचना जीवन भर संचित रह सकती है।

(ii) दीर्घकालीन स्मरण की सूचनाएं कूटबद्ध होती हैं। चूँकि इसमें रिहर्सल का अवसर मिलता है। इसलिए सूचनाएं संगठित तथा सुसज्जित हो जाती हैं। इसी कारण उनका सत्ताकाल बढ़ जाता है।

(iii) दीर्घकालीन स्मरण का विस्तार अधिक होता है। इस सम्बंध में अनेक प्रयोगात्मक अध्ययन किये गये हैं, जिससे पता चलता है कि स्मृति विस्तार वास्तव में सामग्री के स्वरूप पर निर्भर करता है। कूटबद्ध एवं संगठित सामग्रियों का स्मरण विस्तार अधिक होता है।

(iv) दीर्घकालीन स्मरण में विघटन की संभावना कम होती है, यहाँ सूचनाएं कूटबद्ध होती हैं, इसलिए वे आसानी से भंग नहीं होती हैं। रिहर्सल जितना ही अधिक होता है, सूचनाएं उतनी ही अधिक स्थायी बन जाती हैं। अतः ऐसी सूचनाओं में बाधा के कारण विघटन की संभावना ~~कम होती~~ नहीं होती है।

(v) दीर्घकालीन स्मरण में रिहर्सल का होना आवश्यक है। सच तो यह है कि रिहर्सल के कारण ही सूचनाएं कूटबद्ध, ~~सम्बन्धित~~ संगठित एवं संचित हो पाती हैं।

Scanned with CamScanner